गणेश बन करें श्री-गणेश

एक दंत, दयावंत, चार भुजाधारी, हम सबका हितकारी, लम्बोदर, विघ्नहर्ता, शुभाशीष देने वाले, सबकी बात को समा लेने वाले, आंख, नाक, कान, मुँह सबसे शिक्षा देने वाले, सबके मन को जो दिखता है उससे परे दिखाने वाले, विघ्नों का आधार हम स्वयं हैं उसका संज्ञान कराने वाले, मोदक जैसे मिठास को लिए हुए, और माया रूपी चूहे को वश करने वाले, इस धरा से उपराम रहने वाले, हम सबके मनोदशा का प्रतीक गणपति बप्पा हम सबके बीच हर पल, हर क्षण हैं। क्या आप इसको महसूस नहीं करना चाहते...!

घर की शुभ शुरुआत, शुभंकर, शुभ-लाभ, सबकुछ अगर किसी चीज़ से जुड़ा है तो कहते हैं कि गणेश से जुड़ा है। चाहे वो विवाह कार्यक्रम हो या कोई हवन, पूजा, कथा, वार्ता, सबकी शुरुआत गणेश के नाम से ही शुरु होती है। तो ऐसा क्या है इस नाम में जो सब लोग इसके आधार से ही शुभ को जोड़ते हैं। कुछ इसके मनोवैज्ञानिक तथ्यों को देखते हैं जिससे गणेश पूरी तरह से समझ में आयें।

आप अपने जीवन को और जीवन में आने वाली घटनाओं को ध्यान से देखें तो आप पायेंगे कि जीवन में कोई भी घटना या तो आँखों से आती है या तो मुख से आती है या तो कानों से आती है। ये तीन ही मुख्य आधार हैं। इसको अगर आम भाषा में समझें, अगर आपने कुछ आँखों से देख लिया, सही है या गलत है नहीं पता, लेकिन देख लिया तो उसे सही मान लिया। वैसे ही जो कानों से सुना वो सही मान लिया और किसी ने आपको कुछ सुना दिया या बोल दिया उसे सही मान लिया। अब ये तीनों चीज़ें ही गणेश के व्यक्तित्व को प्रदर्शित करती हैं। व्यक्तित्व को प्रदर्शित करने का भावार्थ यह है कि हमेशा गणेश की आँखों को झुका हुआ दिखाते हैं। माना किसी को ऐसे ही बिना म त ल ब के नहीं देखना या अनुमान नहीं लगाना। कान बड़े-बड़े दिखाए माना ज़्यादा सुनना और मुख को बंद दिखाया माना कम बोलना। ये विशेषता कोई गणेश की नहीं है, हम सब मनुष्यों के अंदर ही थी। अब आप देखो, अगर आप ये तीनों काम करते हैं तो आपके घर में कुछ अशुभ होगा? कोई घटना घटेगी? क्योंकि कोई विघ्न या समस्या क्या है? या तो हम गलत बोलते हैं या तो गलत देखते हैं या गलत सुन लेते हैं। उसी पर हमारे संकल्प, विकल्प चलते हैं। हम परेशान होते हैं और उसी बात को लेकर घर में कलह-क्लेष मचाते हैं...नहीं तुमने ये बोला, नहीं तुमने ये देखा, नहीं तुमने ये सुना। वैसे भी किसी मनुष्य के धड़ पर हाथी का सिर तो लग ही नहीं सकता। ये प्रतीकात्मक है और समय से पहले अपने आप को तैयार करने का साधन भी है। इसलिए उनको लम्बोदर भी कहते हैं। लम्बोदर का मतलब है जिसका उदर यानी पेट। जिसके पेट के अंदर सबकी बातें समा जायें। अगर आप सबकी बातों को समाना शुरु कर दें, ज़्यादा सुनें, कम बोलें तो वैसे ही निर्विघ्न बनते जायेंगे। आपका हर दिन श्री-गणेश होगा, जीवन का हर लम्हा यादगार होगा। ऐसा कोई भी प्रतीक जो आपको दिखाया जाता है वो आपसे कुछ कहना चाहता है। नहीं तो ऐसे व्यक्तित्व को तो आप नहीं देख पायेंगे ना! ये सिर्फ कहने की बात नहीं है, सोचने और समझने की बात है कि कोई भी बच्चा अगर आपके घर में ऐसा पैदा हो तो क्या आपको ये स्वीकार होगा? सोचनीय विषय है ना! ये कोई तर्क नहीं है। ये केवल प्रतीकात्मक है। तो इसलिए आप इसको अपने जीवन में उतारें तो जीवन में श्री-गणेश होगा ही होगा।

खुशखबरी

आ गई शिव संदेश,राजयोग कॉमेन्ट्री की नयी कुंजी...

हम सभी जितने भी जिज्ञासु या आगंतुकों से मिलते हैं तो उस समय होता है कि कुछ इनको परमात्मा के बारे में बताया जाये,तो वैसे तो हम बताते ही हैं लेकिन उसके साथ-साथ कुछ लिखित सामग्री अगर दी जाये तो उसको पढ़कर उनके अंदर उसे जानने की जिज्ञासा और बढ़ जायेगी। इसी ध्येय को लेते हुए हमने 'परमपिता परमात्मा शिव का संदेश' और परमात्मा से सहज योग के लिए 'राजयोग मेडिटेशन कॉमेन्ट्री' की एक ज़ेबी किताब या पॉकेट बुक डिज़ाइन किया है जो बहुत ही कारगर है। जिसमें परमात्मा का पूरा संदेश और उनसे मिलन मनाने की सहज विधि के लिए अभ्यास करने की कॉमेन्ट्री भी है। आप इसे ओमशान्ति मीडिया,शांतिवन से प्राप्त कर सकते हैं।

ओमशान्ति मीडिया,ब्रह्माकुमारीज़,
आनंद भवन,शांतिवन,आबू रोड(राज.-307510)
मो.- 9414154344, 9414006096, 9414182088
ई.मेल - omshantimedia.bkivv.org

जयपुर-श्रीनिवास नगर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के 59वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में पीस पैलेस सेवाकेंद्र में 'शिव शक्ति लीडरशिप अप्रोच(एसएसएलए)' भारत और नेपाल क्षेत्र की त्रिदिवसीय शिव शक्ति रिट्रीट का आयोजन किया गया जिसमें 50 समाज की अग्रणी महानुभाव और अन्य महिलाओं द्वारा 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण के द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज हेतु नारीत्व की आंतरिक शालीनता को रचनात्मक तरीके से अनुभव करना' विषय पर चर्चा की गई। शुभारंभ कार्यक्रम में राधा वेंकटरमण,फॉर्मर हाई कमिश्नर ऑफ इंडिया, राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू एवं एसएसएलए भारत और नेपाल की आध्यात्मिक सलाहकार, ब्र.कु. सुनीता दीदी,एसएसएलए भारत और नेपाल क्षेत्र की फोकल प्वाइंट पर्सन, अर्चना अग्रवाल,चार्टर्ड प्रेसिडेंट,अखिल भारतीय लाइनस क्लब सहारनपुर, श्रीमती गिरिजा शारदा,उपाध्यक्ष,नेपाली इंडस्ट्रीज़ कनफेडरेशन कोसी प्रदेश उपाध्यक्ष,अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन विराटनगर नेपाल, अनिल कोठारी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएमसीएचआरसी जयपुर चेयरपर्सन कैंसर केयर एवं ड्रीम्स फाउंडेशन जयपुर तथा अन्य गणमान्य महिलाओं सहित बड़ी संख्या में शहर की महिलायें व ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

यूक्रेन। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दूतावास के अधिकारी, भारतीय छात्र, आर्ट ऑफ लिविंग मूवमेंट के सदस्य तथा ब्रह्माकुमारीज़ के कीव सेंटर व संगम रिट्रीट सेंटर के ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल हुए। इस मौके पर सभी ने मिलकर योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास किया तथा अपने शुद्ध विचारों से वातावरण को आध्यात्मिक व शक्तिशाली बनाया। कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. भाई-बहनों ने यूक्रेन के राजदूत हर्ष कुमार जैन और दूतावास के द्वितीय सचिव सतेंद्र कुमार यादव से मुलाकात कर ईश्वरीय संदेश दिया व ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं से अवगत कराया।

बबेरू-उ.प्र.। योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. आशा बहन। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील जी, एसडीएम नमन मेहता, चेयरमैन सूर्यपाल जी तथा आरएसएस के जिला कार्यवाह संजय जी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।